

प्रोजेक्ट PARI

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में संस्कृति मंत्रालय ने नई दिल्ली में विश्व धरोहर समिति की बैठक के 46वें सत्र के दौरान प्रोजेक्ट PARI (Public Art of India अर्थात् भारत की सार्वजनिक कला) की शुरुआत की।

- इसका उद्देश्य आधुनिक विषयों और तकनीकों को शामिल करते हुए भारत की कलात्मक वरासत (लोक कला/लोक संस्कृति) से प्रेरणा लेने वाली सार्वजनिक कला को सामने लाना है।
- देश भर से 150 से अधिक दृश्य कलाकार दिल्ली में सार्वजनिक स्थानों के सौंदर्यीकरण के लक्ष्यीवार चित्रकला (wall paintings), भित्ति चित्र (murals), मूर्तियाँ (sculptures) और प्रतष्ठानों सहित विभिन्न कलाकृतियाँ बनाएंगे।
- ये मूर्तियाँ प्रकृति, नाट्यशास्त्र के विचारों, गांधीजी, भारत के खलौनों, प्राचीन ज्ञान, नाद या आदिध्वनि, जीवन की सद्भावना और कल्पतरु (दिव्य वृक्ष) को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी।

विश्व धरोहर समिति (WHC):

- यह यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में नए स्थलों को शामिल करने पर नज़र रखता है।
- भारत जुलाई 2024 में पहली बार इस बैठक की मेज़बानी करने जा रहा है।
- भारत में **42 यूनेस्को** विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें हाल ही में 'होयसल के पवित्र समूह' को भी शामिल किया गया है।
- इसमें 34 (सांस्कृतिक स्थल), 7 (प्राकृतिक) और 1 (मिश्रित) शामिल हैं।



और पढ़ें: [भारत में विश्व धरोहर स्थल](#)

